घुश्मेश्वर गाथा

चर्चा में क्यों?

30 जुलाई, 2021 को राज्यपाल **कलराज मिश्र** को राज भवन में **'घुश्मेश्वर गाथा'** की प्रथम प्रतिभेंट की गई।

प्रमुख बिंदु

- शिवाड़ समाज जयपुर द्वारा प्रकाशित इस पुस्तक के लेखक वरिष्ठ पत्रकार **हरीश पाराशर** हैं।
- 'घुश्मेश्वर गाथा' में भगवान शंकर के 12वें ज्योतिर्लिंग के रूप में मान्यता रखने वाले**सवाई माधोपुर ज़िले में शिवाड़ स्थित पावन तीर्थ स्थल घुश्मेश्वर महादेव की प्राचीनता, यहाँ मिले असंख्य शिवलिंगों** के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई है।
- पुस्तक में शिवाड़ के पौराणिक, ऐतिहासिक तथ्यों के साथ ही यहाँ से जुड़ी अलौकिक घटनाओं और आस-पास के दर्शनीय स्थलों की विशद जानकारी दी गई है।
- धार्मिक और ऐतिहासिक महत्त्व की इस पुस्तक में घुश्मेश्वर मंदिर में राजाओं के दौर में बनाए अन्य मंदिरों, तालाबों, कुएँ-बावड़ियों और इतिहास से जुड़े अनछुए पहलुओं की महत्त्वपूर्ण जानकारियाँ भी हैं।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/ghushmeshwar-gatha